पानी की बर्बादी — लाखों लीटर पानी की बर्बादी, बालाघाट बना लूट, जुआ और अवैध धंधे का अड्डा

जिले में जल संकट, मलय वाटर फॉल में लाखों लीटर पानी की होली

नवभारत, बालाघाट। जिला मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भांडी के अंतर्गत ग्राम केरा में संचालित मलय वाटर फॉल जल संकटग्रस्त जिले के लिए खुला घाव बन गया है। एक तरफ जहां जिला प्रशासन ने जल किल्लत के चलते किसानों पर रबी फसल बोने की मनाही लगा दी है, वहीं दूसरी ओर वाटर पार्क के नाम पर लाखों लीटर पानी रोजाना बर्बाद किया जा रहा है। जिम्मेदारों की आंखें बंद हैं, हौसले बुलंद हैं और जनता लुट रही है। सूत्रों का आरोप है कि पार्क के अंदर बने रिसॉर्ट में जुआ खेला जा रहा है और लड़कियां परोसी जा रही हैं, जिससे पूरे जिले का माहौल दूषित हो रहा है।

यह वाटर पार्क न केवल पानी की बर्बादी का प्रतीक है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्टाचार और नैतिक पतन का जीता-जागता उदाहरण भी है। जहां पूरा जिला प्यासा है, पेयजल के लिए तरस रहा है, वहां मलय वाटर फॉल में पानी की होली खेली जा रही है। स्लाइड्स, पूल और फव्वारों में पानी का बहाव ऐसा कि देखने वाले का खून खौल उठे। अमोनिया उपचारित पानी का यह अपव्यय पर्यावरण के लिए भी घातक साबित हो रहा है। स्थानीय सूत्र बताते हैं कि बिना किसी उचित अनुमति या पर्यावरणीय मंजूरी के यह पार्क चल रहा है, फिर भी जिला प्रशासन और संबंधित विभाग चुप्पी साधे हुए हैं।

रिसॉर्ट बन गया जुआ और वेश्यावृत्ति का अड्डा

सबसे गंभीर आरोप पार्क के अंदर बने रिसॉर्ट को लेकर है। सूत्रों का कहना है कि यहां जुआ चलाया जा रहे हैं और युवतियों को परोसा जा रहा है। रात के अंधेरे में यह जगह जिले के युवाओं को बर्बाद करने का केंद्र बन गई है। स्थानीय युवा और अभिभावक चिंतित हैं। 'पानी की किल्लत में किसानों को खेत सूखने दे रहे हैं, लेकिन यहां जुआ और अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। जिला प्रशासन कहां सो रहा है? एक स्थानीय व्यक्ति ने तीखे शब्दों में पूछा।

टिकट लूट और पेयजल की अनदेखी

पार्क में आने वाले पर्यटकों से मनमाने ढंग से टिकट वसूला जा रहा है। नियम के मुताबिक 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों के लिए अलग टिकट होना चाहिए, लेकिन यहां बड़े-बच्चे सबके लिए एक समान दर वसूली जा रही है। इससे स्पष्ट है कि संचालक जनता को खुलेआम लूट रहे हैं। एक और हैरान करने वाली बात - पार्क में आने वाले सैकड़ों लोगों के लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना बुनियादी जिम्मेदारी होती है, यहां न तो पानी के कूलर हैं, न कोई फिल्टर प्लांट। लोग प्यासे ही लौट रहे हैं, जबकि अंदर पानी की बर्बादी मची हुई है।

बाघ के हमले में सुरक्षा श्रमिक की मौत, शोक की लहर

नवभारत, परसवाड़ा। कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत परिक्षेत्र कान्हा की बीट नकटी घाटी के कक्ष क्रमांक 136 में स्थित कैंप के समीप घंघारनाला क्षेत्र में रविवार प्रातः गश्ती के दौरान एक दुखद घटना घटित हो गई। गश्ती दल पर एक वन्य बाघ ने अचानक हमला कर दिया, जिसमें अग्नि सुरक्षा श्रमिक लखन सिंह (29 वर्ष) की मृत्यु हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लखन सिंह पिता बुद्ध सिंह, निवासी ग्राम आमगहन, जिला बालाघाट, नियमित गश्ती कार्य में दल के साथ वन क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान बाघ ने अचानक हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम की अग्रिम कार्रवाई के लिए चिकित्सालय भेज दिया गया है। प्रबंधन द्वारा मृतक के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई है तथा शासकीय नियमानुसार देय शेष सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

कान्हा प्रबंधन ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गम वन क्षेत्रों में हिंसक वन्यजीवों के बीच रहकर वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्य करने वाले कर्मियों का योगदान अमूल्य है। वन्यजीव सुरक्षा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले लखन सिंह की सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा।

कान्हा टाइगर रिजर्व परिवार ने दिवंगत लखन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही देशभर में कठिन परिस्थितियों में वन एवं वन्यजीव संरक्षण में जुटे सभी वनकर्मियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है।

वनरक्षक भर्ती के चलते 21 से 23 जून तक रेंजर कालेज परिसर बालाघाट में आमजन का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा

बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन द्वारा विशेष आदिम जनजाति प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आयोजित वनरक्षक भर्ती-2026 के अंतर्गत भर्ती संबंधी गतिविधियों का आयोजन वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय (रेंजर कालेज) बालाघाट परिसर में 21 जून से 23 जून 2026 तक किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के सुचारू संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में महाविद्यालय परिसर तथा परिसर से होकर गुजरने वाले मार्ग पर आमजन का प्रवेश एवं आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। रेंजर कालेज के अनुदेशक द्वारा जारी सूचना के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इसी के तहत महाविद्यालय परिसर में केवल भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

परसवाड़ा में जमीनी विवाद ने लिया हिंसक रूप, व्यक्ति की मौत, दो आरोपी हिरासत में

नवभारत, परसवाड़ा। थाना परसवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह पुराने अस्पताल के सामने हुए विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहगांव निवासी अनिल गोले (53 वर्ष) रविवार सुबह अपने पुत्र मनीष गोले के साथ पुराने अस्पताल के सामने स्थित सैलून की दुकान पर काम कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी पंकज ठाकरे एवं उनके पिता फगलाल ठाकरे से दुकान के पास रखी ईंटों को हटाने की बात को लेकर विवाद हो गया।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई। शिकायत के अनुसार, बीच-बचाव करने पहुंचे अनिल गोले पर ईंट फेंकी गई, जिससे वे घायल हो गए। घटना में उन्हें नाक एवं पीठ पर चोटें आईं। घटना के बाद अनिल गोले अपने पुत्र के साथ रिपोर्ट दर्ज कराने थाने जा रहे थे। इसी दौरान थाना परिसर के सामने उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस द्वारा उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मनीष गोले की शिकायत पर थाना परसवाड़ा में अपराध क्रमांक 80/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 296, 115(2), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। मामले में नामजद आरोपी पंकज ठाकरे (39 वर्ष) एवं फगलाल ठाकरे (68 वर्ष), निवासी ग्राम चंदना, को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज करने की वैधानिक प्रक्रिया जारी है।

साईकिल से 14 किमी का सफर तय करने वाला युवक बना सहायक प्राध्यापक

संघर्ष, मेहनत और निरंतरता ने मधुप्रसाद कबीरे को दिलाई सफलता

नवभारत, बालाघाट। कहते हैं कि सपनों की उड़ान संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि उसे ऊंचाई तक पहुंचाने का काम कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास करते हैं। बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र के छोटे से गांव चुरली के युवा मधुप्रसाद कबीरे ने अपनी सफलता से इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है। कभी 14 किलोमीटर साइकिल चलाकर कॉलेज पहुंचने वाला यह युवक आज मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) परीक्षा उत्तीर्ण कर सहायक प्राध्यापक (भूगोल) के पद पर चयनित हुआ है।

साधारण किसान परिवार में जन्मे मधुप्रसाद के पिता मदनलाल कबीरे एवं माता निशीता कबीरे खेती-किसानी के साथ मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद परिवार ने बेटे की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। मधुप्रसाद ने भी परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि उन्हें अपनी ताकत बनाकर सफलता की राह तैयार की।

मधुप्रसाद की प्रारंभिक शिक्षा गांव के वीरांगना अवंतीबाई विद्यालय, चुरली में हुई। इसके बाद उन्होंने कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय सिहारी, दसवीं तक हाईस्कूल बोलेगांव तथा बारहवीं तक की शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहझरी से पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने शासकीय महाविद्यालय लांजी में प्रवेश लिया, जहां आर.आर. टिकेश्वर के मार्गदर्शन में भूगोल विषय से स्नातकोत्तर (एमए) की पढ़ाई पूरी की।

कॉलेज के दिनों में संसाधनों की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी। चुरली से लांजी कॉलेज की लगभग 14 किलोमीटर की दूरी वे प्रतिदिन साइकिल से तय करते थे। कई बार आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई प्रभावित होने की स्थिति भी बनी, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनका विश्वास था कि मेहनत का फल अवश्य मिलता है।

एमए पूर्ण करने के बाद मधुप्रसाद ने अपने लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाए और दूसरे ही प्रयास में यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। इसके बाद उन्होंने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में पीएचडी के लिए प्रवेश लिया। शोध कार्य के साथ-साथ उन्होंने एमपीपीएससी की तैयारी जारी रखी और दूसरे ही प्रयास में सफलता प्राप्त करते हुए सहायक प्राध्यापक (भूगोल) पद के लिए चयनित हो गए।

पूरे ग्रीष्मकाल में जल संकट से जूझता रहा ग्राम पंचायत पोंडी

नवभारत, परसवाड़ा। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही 'हर घर जल' योजना ग्राम पंचायत पोंडी में अपने उद्देश्य से भटकती नजर आ रही है। लाखों रुपये की लागत से नल जल योजना के तहत गांव में पाइपलाइन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन लगाए गए, लेकिन अधिकांश ग्रामीणों को आज तक नियमित पानी नहीं मिल पा रहा है। परिणामस्वरूप पूरे ग्रीष्मकाल में ग्रामीणों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लगे नलों से पानी नहीं आने के कारण उन्हें हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कई हैंडपंप भी कुछ समय तक चलने के बाद पानी देना बंद कर देते हैं या बेहद कम पानी देते हैं। ऐसे में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को प्रतिदिन पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सुबह होते ही हैंडपंपों पर लोगों की लंबी कतारें लग जाती हैं और घंटों इंतजार के बाद भी जरूरत भर पानी नहीं मिल पाता।

ग्राम निवासी रजवंती नागेश्वर ने बताया कि गांव में पानी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उनके घर के सामने नल कनेक्शन लगा हुआ है, लेकिन उसमें कभी पानी नहीं आया। उन्होंने बताया कि पीएचई विभाग को कई बार शिकायत करने के साथ ऑनलाइन आवेदन भी किए गए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। मजबूरी में परिवार को हैंडपंप के सहारे ही जीवनयापन करना पड़ रहा है।

वहीं ग्रामीण हफीज खान, योगेश्वर ढोढरे, प्रशांत सर्राटे और महेश पचे ने बताया कि नल जल योजना शुरू होने के बाद साल भर में केवल दो बार ही नलों से पानी मिला। इसके बाद ग्रामीणों को साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य साधनों से दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो गई थी तथा पानी जुटाने में ही दिन का बड़ा हिस्सा निकल जाता था।

ग्रामीण प्रशांत सर्राटे ने बताया कि पानी की समस्या का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। सुबह छोटे-छोटे बच्चे स्कूल की तैयारी करने के बजाय बाल्टी और डिब्बे लेकर हैंडपंपों की ओर निकल पड़ते हैं। वहीं योगेश्वर ढोढरे ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर खोदे गए गड्ढे अब भी खुले पड़े हैं, जिससे बारिश के मौसम में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

स्वर्ण पदक से सहायक प्राध्यापक तक का सफर : बनीं बेटियों के लिए प्रेरणा

नवभारत, बालाघाट। दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और शिक्षा के प्रति समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस बात को लांजी क्षेत्र के ग्राम बकरामुंडी की प्रतिभाशाली बेटी सुशीला वरकड़े ने सच साबित कर दिखाया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024 में उनका चयन भूगोल विषय के सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों, गुरुजनों और पूरे जिले में खुशी का माहौल है।

सुशीला की सफलता केवल एक प्रतियोगी परीक्षा में चयन की कहानी नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए संघर्ष, आत्मविश्वास और शिक्षा की शक्ति का प्रेरणादायक उदाहरण भी है। सीमित संसाधनों के बीच आगे बढ़ते हुए उन्होंने अपने सपनों को साकार किया और यह साबित कर दिया कि मेहनत के सामने परिस्थितियां छोटी पड़ जाती हैं।

सुशीला वरकड़े ने वर्ष 2020-21 में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। उन्होंने एमपीपीएससी की प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में भी भाग लिया और लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रहीं। इसी दौरान वर्ष 2023 में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

यह उपलब्धि उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। स्वर्ण पदक मिलने के बाद भूगोल विषय के प्रति उनकी रुचि और अधिक बढ़ी तथा उन्होंने इसी क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का निर्णय लिया। वर्ष 2024 में उन्होंने यूजीसी-नेट और एमपी-सेट परीक्षाएं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कीं। इसके बाद उन्होंने एमपीपीएससी सहायक प्राध्यापक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर भूगोल विषय में सहायक प्राध्यापक पद हासिल किया।

सुशीला अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, महाविद्यालयीन गुरुजनों, भूगोल विषय के शिक्षक आर.आर. टिकेश्वर, मित्रों तथा पाथ फाइंडर इंस्टीट्यूशन, बालाघाट के संस्थापक मनीष को देती हैं। उनका कहना है कि कठिन समय में इन सभी का मार्गदर्शन, सहयोग और विश्वास उनके लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

123वीं बटालियन सीआरपीएफ भरवेली में रक्तदान शिविर आयोजित

नवभारत, बालाघाट। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून 2026 को 123वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भरवेली परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक एवं अवैतनिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी के कमांडेंट श्री हजारी लाल द्वारा अधिकारियों एवं जवानों को रक्तदान के महत्व और इसकी आवश्यकता के संबंध में शपथ दिलाकर की गई। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों से समाज में स्वैच्छिक और निःशुल्क रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इसके पश्चात वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के सफल संचालन के लिए रेडक्रॉस सोसायटी जिला अस्पताल बालाघाट की टीम ने आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्थाएं उपलब्ध कराईं और रक्त संग्रहण की प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।

रक्तदान के बाद कमांडेंट श्री हजारी लाल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें फल एवं पेय पदार्थ वितरित किए। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है।

समाज को बढ़ाने युवाओं के साथ एकता जरूरी : गौरी शंकर

नवभारत, बालाघाट । देसी लोक नाटक कला और संस्कृति से जुड़े कलाकारों का जीवन आर्थिक मानसिक शारीरिक संकट के दौर से गुजर रहा है । जिनकी कला को निहारने वो कायम रखने जिले के कलाकारों को मजदूरी कर अपना जीवन यापन करना पड़ रहा है । वहीं अन्य राज्यों की तरह इन कलाकारों को शासन द्वारा शासकीय योजना व पेंशन आदि का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते कला क्षेत्र से जुड़े कलाकार प्रदेश शासन ने नाराज है। जिनकी यह नाराजगी रविवार को नगर के नूतन कला निकेतन में आयोजित महाकौशल कलाकार शायर मंडल स्थापना दिवस कार्यक्रम में देखने को मिली।

जिसमें नाट्य कला और संस्कृति से जुड़े शायर ,गीतकार, डंढार कलाकारो ने संगठन के माध्यम से उनकी विभिन्न मंडलियों और इस क्षेत्र से जुड़े कलाकारों को छग महाराष्ट्र राज्य की तर्ज पर शासकीय योजनाओं का लाभ देने, कलाकारों और उनके सहयोगियों को व्यक्तिगत पेंशन दिए जाने सहित सांस्कृतिक कला विभाग के माध्यम से बड़े शहरों में उनकी कला का प्रदर्शन कराए जाने की मांग की।आयोजित इस स्थापना दिवस के अवसर पर मप्र महाकौशल और गोंदिया महाराष्ट्र से आए कलाकारों ने स्थापना दिवस पर बेठक के उपरांत गीत संगीत गायन वादन आदि कलाओं की प्रस्तुति देकर हर किसी को मनमुग्ध कर दिया।

खुलासा — हत्या के मुख्य आरोपी सहित षड़यंत्र में शामिल पिता एवं भाई गिरफ्तार

बैहर पुलिस द्वारा सनसनीखेज हत्या का खुलासा

नवभारत, बैहर। थाना बैहर क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 08 मोदी नगर बैहर में एक महिला की हत्या की सनसनीखेज घटना का बैहर पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी विवेचना करते हुए सफलतापूर्वक खुलासा किया गया है। प्रकरण में हत्या करने वाले मुख्य आरोपी के साथ-साथ हत्या के षड्यंत्र में शामिल उसके पिता एवं भाई को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 12.06.2026 को प्रार्थी सालिकराम धुर्वे निवासी वार्ड क्रमांक 08 चालीस मकान बैहर द्वारा सूचना दी गई कि उसकी बहन सविता धुर्वे उम्र 35 वर्ष निवासी मोदी नगर बैहर का शव उसके निर्माणाधीन कच्चे मकान में रक्तरंजित अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीओपी बैहर श्री अरविंद शाह, थाना प्रभारी बैहर जयंत मर्सकोले, एफएसएल टीम, डाग स्कार्ट एवं फिंगरप्रिंट टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया । प्रकरण में प्रार्थी की रिपोर्ट पर संदेही कृष्णा शिवालिया उर्फ गणेश के विरुद्ध अपराध क्रमांक 105/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन मे सनसनीखेज हत्या के खुलासे एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी बैहर के नेत्रत्व मे विशेष टीम का गठन किया गया। विवेचना के दौरान घटनास्थल से प्राप्त भौतिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल कॉल डिटेल एवं गवाहों के कथनों के आधार पर पुलिस द्वारा घटना के संदेही एवं फरार आरोपी कृष्णा शिवालिया उर्फ गणेश की तलाश कर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपी के निशादेही मे हत्या में प्रयुक्त धारदार कटर, घटना के समय उपयोग किए गए मोबाइल फोन तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए। विवेचना के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने अपने पिता एवं भाई के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी तथा घटना के बाद दोनों ने आरोपी को फरार होने में सहयोग करने एवं रक्तरंजित कपड़ों को जलाकर साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास किया था।

2 .27 करोड़ की ठगी : भोपाल का ठग गया जेल

जबलपुर। शेयर बाजार में निवेश पर 500 प्रतिशत मुनाफे का लालच देकर शहर की एक महिला से 2 करोड़ 27 लाख रुपये की ठगी के मामले में भो पाल से गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है । पुलिस के मुाबिक शहर में रहने वाली महिला को साइबर ठगों ने जाल में फंसाते हुए शेयर बाजार में निवेश कर प्रतिदिन 5 प्रतिशत रिटर्न और दीर्घकालिक निवेश पर 500 प्रतिशत तक रिटर्न देने का वादा किया था एवं अल्पकालिक पूंजी लाभ और दीर्घकालिक पूंजी लाभ दोनों में निवेश कराने तथा शेयरों और सस्ते दर पर बल्क ट्रेडिंग में अच्छा मुनाफा दिलाने का वादा कर महिला के साथ 2 करोड़ 27 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई थी।

म्यूल अकाउंट्स में खपी ठगी की रकम, 4 पर एफआईआर

नवभारत, जबलपुर। डिजिटल अरेस्ट, टास्क फ्रॉड और ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली ठगी की रकम को खपाने वाले म्यूल अकाउंट्स के खिलाफ जिले में पहली एफआईआर दर्ज कर ली गई । उप पुलिस अधीक्षक साइबर अंजुल अयंक मिश्रा के अनुसार ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत कार्रवाई करते हुए संदिग्ध बैंक खातों की सूची सभी थाना प्रभारियों को भेजी गइ थी। केंट पुलिस ने जब मिले इनपुट के आधार पर संदिग्ध खातों की सघन तकनीकी जांच की, तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। पुलिस ने पाया कि चार युवाओं और बिचौलियों ने चंद रुपयों के लालच में साइबर अपराधियों को अपने बैंक खाते उपलब्ध करवाए थे, जिनमें ठगी की लाखों रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी। टीआई पुष्पेंद्र पटेल ने बताया कि ,एसबीआई ब्रांच सदर के खाता धारक सुनील रजक व खाता धारक मोहित राय खाता के संबंध में जांच की गई दोनों खाता धारकों व्दारा अपना उक्त बैंक खाता को प्रकाश राजपूत निवासी कटनी को बेचा। पिन्टू राजपूत व्दारा बताया गया कि हिमांशु शर्मा निवासी कटनी के कहने पर सुनील रजक और मोहित राय से खाता खुलवाकर हिमांशु शर्मा को खाता व इनका एटीएम, सिम दिया। जांच पर सुनील रजक, मोहित राय, प्रकाश उर्फ पिन्टू राजपूत और हिमांशु शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया ।

रडार पर सैकड़ों और खाते

ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत जबलपुर जिले के कई अन्य बैंक खातों को भी शॉर्टलिस्ट किया गया है।साइबर सेल की टीमें इन खातों के ट्रांजैक्शन हिस्ट्री और इनके धारकों की कुंडली खंगाल रही हैं। 1500 खाते खातें चिन्हित किए गए है। 100 खातों ट्रांजेक्शन खंगाले के साथ अन्य बिन्दुओं पर जांच चल रही है। पुलिस के मुताबिक जिन भी म्युल खातों की साइबर फ्रॉड में संलिप्तता पाई जाएगी, उनके खाताधारकों को सीधे सह-आरोपी बनाकर जेल भेजा जाएगा।

पेड़ की टहनी गिरने से घायल महिला की मौत

नवभारत, जबलपुर। रामपुर में आंधी के दौरान पेड़ की एक भारी टहनी सिर पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हुई महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रामपुर गोरखपुर निवासी कमला बाई (57) पर कल शाम लगभग 4-50 बजे अचानक एक पेड़ की टहनी गिर गई। टहनी सीधे उनके सिर पर लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ीं। हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल महिला की बेटी आशा ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत इलाज के लिए निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया।